

স্বরবিতান ৫৭

তপতী রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর



বিশ্বভারতী গ্রন্থনবিভাগ কলিকাতা

পরলিপিকার দিনে<u>স্</u>রনাথ ঠাকুর

তগতী গ্রান্থের অকীভূত প্রকাশ : ভাদ্র ১০৩৬ জ্যৈষ্ঠ ১০৩৮, বৈশাধ ১০৫৬

শুভ্ৰ প্ৰকাশ চৈত্ৰ ১০৬৭
পুনৰ্ম্ত্ৰণ ভাক্ত ১০৭২
সংস্কৰণ আঘাঢ় ১০৮১
পুনৰ্ম্ত্ৰণ কাৰ্ডিক ১০৮৬, জ্যৈষ্ঠ ১০৯১
শ্ৰাবণ ১০৯৪ : ১৯০৯ শক

© বিশ্বভাৰতী

প্রকাশক শ্রীকাদিক্র ভৌষিক বিশ্বভারতী। ৬ আচার্ব জাদীশ বস্থ রোড। কলিকাতা ১৭

মূত্ৰক **ঐত্তরন্ত** বাক্চি পি- এন- বাক্চি অ্যাপ্ত কোম্পানি প্রাইভেট লিমিটেড ১৯ গুলু ওন্তাগর লেন। কলিকাতা ভ

আলোক-চোরা লুকিয়ে এল ওই	>•
জাগ' আলসশয়নবিলগ্ন	9•
জা গো হে রুদ্র , জাগো	28
তোমার আসন শৃ্য্য আজি	. ২৬
দিনের পরে দিন যে গেল	ર ર
প্রলয়নাচন নাচলে যখন	>>
বকুলগন্ধে বস্থা এল	>@
মন যে বলে চিনি চিনি	¥
শুভ্ৰ নব শঙ্খ তব গগন ভরি বাজে	৩২
সর্ব খর্বতারে দহে তব ক্রোধদাহ	¢

সর্ব থর্বতারে দহে তব ক্রোধদাহ—
হে ভৈরব, শক্তি দাও, ভক্ত-পানে চাহো ॥
দূর করো মহারুদ্র
মৃত্যুরে করিবে তুচ্ছ প্রাণের উৎসাহ ॥
দুঃথের মন্থনবেগে উঠিবে অমৃত,
শঙ্কা হতে রক্ষা পাবে যারা মৃত্যুভীত।

তব দীপ্ত রৌদ্র তেজে নির্মারিয়া গলিবে যে

প্রস্তরশৃঙ্খলোশুক্ত ত্যাগের প্রবাহ॥

র্বা I স্থা II পর্গা ৰ্গা রা -1 -1 না -1 র্ ব থ র ব তা রে **F** • I গা -মা 21 রা -11 I সা · -1 রা সপা -1 I H o হে ত ব (ক্ৰ ধ -1 I र्मा -রা I -1 -1 -1 I গা -1 -1 স -1 3 (ই হ बंजी र्मा না I -र्मा -র্গ -গর্মা 1 -1 511 -ধা -না -1 -1 তি . ব্ **ক** 71 র I -र्भा ৰ্সা -1 1 ধনা -1 -1 र्मा র্সা -ना I -1 न -1 ভ ক্ ত 970 (ন 510 B -1 II ধপা -1 -1 -1 -1 হো৽

र्भा I -র্রা -1 ৰ্গা -1 I M ৰ্গা र्भा ৰ্গা -1 II { sfi -1 F ¥ হা রে! ম্ ৰ্ ক Ţ र्मा } I ৰ্গা র্বা -1 র্গর্গ I 1 अर्था र्भा ৰ্গা ৰ্গা -1 -1 -1 য|• হা ক Ħ H মৃ **ध** • হা 0 গ্ যা र्मा -1 र्मर्गा র্না I নর্বা র্বা -1 र्मा I ৰ্গা র্বা -1 -1 রি॰ তু ছ मृ • তু বে ক৽ বে Б, 4 I र्म्जा -1 I बर्जा -1 না ধা -1 I 7 -ধা 24 -1 -1 প্রা৽ উ • সা ୯୩ র হ না [र्म। -না -र्जा । वर्जा -1 -1 | र्मा -1 I Á -1 | -1 ₹ তি • ক • ব্ হে **©** র -র্রা -গর্রা I -র্সা স না 1 I 91 -71 -1 -1 -1 -না -ধা ক म्र ত र्म। र्त्रमा -ना I -1 II ধপা I ধনা -1 -1 -1 -1 -1 -1 পা৽ • নে 510 ₹ • I II { र्मा र्मा -1 -1 ন ধা -কা I ক্ষধা ধা পা -1 ধে ন থ • न বে ছ ₹ র য -1 I -গা I -সা I M গা রা -রসা রা রপা গা -মা মা ঠি মু • ন্ত ভ বে অ গে • I স -1 -1 -1 -1 -1 I রপা -1 I -রা গা -1 **5** কা• • ₹ ভে

1 -911 -রা স -911 ৰা I 118 -1 -মা 31 রা 1 সা -1 91 যা রা বে র ক্ ধা • -1 } I আবা I গা 1 -1 I সা 1 -1 -1 -1 –রা वजा -91 -1 ভী ত ¥ 5 ত ৰ্গা I ৰ্গা ৰ্গা - 1 র্রা ৰ্মা ৰ্গা -1 -1 I I { 新 -1 ৰ্মা -1 রৌ नी 9 ত তে F জে ত ব -র্রা I র্নগা ৰ্গা - 1 র্মা -1 मा } I I র্গপা ৰ্পা ١ ৰ্গা ৰ্গা -1 -1 नि রি 51 0 नि॰ বৃ ঝ য়া • বে যে র্না র্রা -ना I नर्ता ส์เ -1 र्मा -1 र्भा I I ৰ্গা ৰ্মা -1 ক স ত র Ą હ્ ধ • লো ন মূ প্র -1 I ৰ্সর্রা वर्जा -1 | I ক্ষা -1 ·I না -1 ধা -ধা পা -1 ত্যা• র প্র বা হ গে -र्जा I र्जर्भा 1 र्भा ना I I र्मा -1 | र्मा -না -1 -1 -1 -1 \$ তি • র • ব্ ኞ ছে ভ । -र्जा -र्जा -र्जर्जा I -र्जा -1 र्मा मा] I পা -না -1 -41 -1 9 W ত ኞ -1 র্না -না I -1 -1 II II र्मा धशा -1 -1 | I ধনা -1 -1 হো• চা• 910 নে •

মন যে বলে চিনি চিনি যে গন্ধ বয় এই সমীরে।
কে ওরে কয় বিদেশিনী চৈত্ররাতের চামেলিরে॥
রক্তে রেখে গেছে ভাষা,
সথ্যে ছিল যাওয়া-আসা—
কোন্ যুগে কোন্ হাওয়ার পথে, কোন্ বনে, কোন্ সিন্ধুতীরে॥
এই স্তদূরে পরবাসে
ওর বাঁশি আজ প্রাণে আসে।
মোর পুরাতন দিনের পাখি
ডাক শুনে তার উঠল ডাকি,
চিত্ততলে জাগিয়ে তোলে অশ্রুজনের ভৈরবীরে॥

I sti -1 511 শা 5 511 স ज्ञा b 500 श যে ব (ল নি ন -5/31 新引 -- 위 - 1 I 21 811 স -1 -1 811 -41 নি যে ৽ ধ্ ₹ 5 न য় ব ٩ -1 | जा -मी मी मी 1 र्मा - । र्मा | मा ना -গক্ষা শগা भी ॰ রে কে ৽ ও রে ক য় বি (F -র্রা र्वर्मा 1 -1 নধনা -ধা -ধা भा -কা -গা ना 11 ₹ Б • 3 <u>a</u> র (<u>5</u> Б র -না ধপা -কা গা - जा - शा - जा 1 - ना - धनधा - शा - । I 241 नि • श ন বে৽ পগা Ţ সগা সা -1 -1 -1 I \ Mis -ক্ষপঃ 811 -**ग** fb • নি ſъ নি त · 本 (ত রে ধে न । मान न जी र्भ। र्बर्भ। र्भा গর্ব। ---1 र्भ। ন I ছি 75 510 **(**\\$ যাও

- ांधना नेथा भा न | न न न न न } । और न आर्थ की | और न आर्थ न आर्थ का न का का न का लांक न का लांक न का लांक न
- I र्वर्ता-1 र्मा-ना | थना न्धा शा -1 जा -ता -ता -ता । जा -ता । ज
- I গা -কৰা ব কৰা | কৰা ব মা পা II সি • ন্ধু তী • রে •
- I -1 -1 र्मा-ना | नक्षा-र्माना -1 I -1 -1 -1 -1 क्या | शा-क्या-र्मार्मना I
- I ধা -1 পা -1 | পা -করাধপা -1 I মা -1 মা -1 | -1 -1 -1 -1 } I শি • আবাজন্প্রা • গে• • আ • সে • • • •
- I { γn γn -
- I সৰ্বিনা বৰ্ম বিনা বৰ্ম বিনাম ব
- I সাঁ-সাঁ-া সাঁ | রাঁ-া সাঁ-া I শনা রা সাঁ-না | ধনা -া ধা -পা I চি • ९ ড ড • লে • জা গি রে • ডো• • লে •
- I সা -রা -গা গা | গা গা -রা I গা -ফা ফা | ফা ফা পা II II জ্ব শ্ঞা জ্ব লে ব্ভ ইর বী রে •

আলোক-চোরা লুকিয়ে এল ওই—
তিমিরজয়ী বীর, তোরা আজ কই।
এই কুয়াশা-জয়ের দীক্ষা কাহার কাছে লই॥
মলিন হল শুভ বরন, অরুণ-সোনা করল হরণ,
লজ্জা পেয়ে নীরব হল উষা জ্যোতির্যয়ী॥
স্থপ্তিসাগরতীর বেয়ে সে এসেছে মুখ ঢেকে,
অঙ্গে কালি মেখে।
রবির রশ্মি কই গো তোরা, কোথায় আঁধার-ছেদন ছোরা,
উদয়শৈলশৃঙ্গ হতে বল্ 'মাভৈঃ মাভৈঃ'॥

I	ি সা আ	- न्	1	সা লো	-দা ক্	দা চো	-1 •	I দা কা	-1 •	ı	मा न्	-1 •	দা কি	-1 •	J
I	দা য়ে	-1	-	দা - s এ	শা পা • লো		I	ক্ষপা ঐ •	- ভ ন	1	ভ ৱা এ	-রা •	ভৱা লো	-1	I
I	জ্ঞমা ঐ •	-1	I	છ ાં વ	-1	ঝা লো	-1	I সা ঐ	-1 •	l	-1 •	-1 •	-1 •	 -1	I
I	ৰ্সা ভি	-না •	1	ৰ্সা মি	-1 द	र्जा ज	-1 •	I র্স র্থা য়ী•	-1 •	1	ৰ্মা বী	-1 বু	ৰ্সা তো	-1 •	I
I	^{र्न} ना क्रा	-1 •	1	ৰ্সা আ			ર્થા હ ્	I ণৰ্সা ক•	-1 Je	I	୩ ଏ	-1	দা শো	-1 •	I
I	मा ङ	-1	1	দা - i এ •		-मा •	I	মপা ঐ •	-1 •	•	<u>জ্</u> বা এ	-1 •	ঋা লো	-1 •	I

ſ -1 -1 -1 I 제 - छर्व। 1 ভৰ্ৱা **56**1 म -1 -1 -1 -1 I Š इ Q • য়া I esá -র্রা - I ভূৰ্ব্যা -र्खा ৰ্জা -1 - হুৰ্ত্ত1 ર્સા -र्मा -1 -1 I * জ • মে বৃ দী৽ ক ধা Jर्मा र्ख - I Beái -41 -ৰ্মা ৰ্মা -1 1 ર્ચા ર્સ્થા -1 I -1 ই হ ব ক ক • ছে . ল Q I સાં र्म। -1 र्मा -ના I ર્<u>ઝા</u> -শ্বৰ্ণা I ণৰ্সা -1 -୩ୀ লা -W1 [3 ەق লো লো g • g I w -91 **ক্ষাপা** -1 -1 -eal II . ج লো • • -া I র্সা II w -1 र्मा र्मा -1 F -1 লা -1 -1 I লি ন্ • লো হো ম **63** ਭ J স্থা -**≯**í I -1 - 1 र्मा -1 -1 I र्मा -र्खा र्ख्य -1 -1 I र्खा ব • • • র ન્[.] • অ রু 4 শো र्ख्व -র্বা I -1 | र्ख्य -1 I safi 1 -র্রা र्खा -1 ৰ্মা -1 I -1 না ক বৃ লো ৽ হ র ণ্ I রা -1 ৰ্যা -1 र्या -1 I र्खा 1 र्ख र्खा -1 I -1 -1 ल् জ্ জ পে য়ে • नी র ব্ ळ्या र्मा Ι ৰ্সা -1 I ١ ৰ্জ্ঞা -1 I -1 -1 -1 **-**86 ৰ্খা -1 ঠ হো লো ٠ • ষা ৰো

-wi I ৰ্গা -1 I -1 -1 1 र्मा र्मा I wi * -1 -1 -41 ब्री ডি শো ম g ₹ I नर्मा र्गना -1 I -म1 म म পা পা I -1 -1 ₫. À লো g • g লো -1 II I ক্মপা -ख -1 -1 -1 **3** • -া I মা II সা 1 I -1 সা -মা মা -1 মা -1 শা তি 3 প্ সা 5 ব্ ৰ্ সু বে I মা -911 মা -म T -1 I m -1 म -1 -1 I W ছে বে শে g শে শৃ I পা -1 24 -1 পা -দা I মপা -1 1 -1 I ख -রা मख **नि•** Œ কে હ્ • কা অ গে• I an -1 I -1 I -1 সা -1 -1 W -1 m -1 পা বি মে ধে র বৃ র I A -1 I मा 1 -1 -1 -1 -1 -स्र्व * -1 र्मा -ना I 4 ই ক গো • ভো -र्खा I A -1 I मा र्खा -1 I -1 -1 -1 -1 र्खा -1 ৰা কো থা ब्र I esfi र्खा I स्र्वा -र्त्रा -1 ख -1 -1 1 ৰ্যা -1 -1 I -1 41 Œ ન 4 ¥ ছো রা

I 41 ৰা -1 -1 ৰা -1 I ean -1 I -1 | र्खा -1 \$ W শৈ ब्र હ્ ħ न I esí **W**I -1 I A -**થ**í -1 र्मा -छर्व। र्खा र्था -1 I -1 ंडर হ ভে • ব শ্ মা ব 7 -খ1 I 🐐 ₩1 र्मा -1 I 1 र्कर्भा -1 | -1 ৰ্সা र्भा -লা I -1 ভৈ ভে মা ব শ্ যা g I en -1 म -1 मा -1 I M -1 I পা -1 পা Š 3 শো g লো এ I M -দা আপা -1 -1 II II -1 · 💆 • লো •

জাগো হে রুন্ত্র, জাগো— স্থপ্তিজড়িত তিমিরজাল সহে না, সহে না গো॥ এসো নিরুদ্ধ দ্বারে, বিমুক্ত করো তারে, তমুমনপ্রাণ ধনজনমান, হে মহাভিক্ষু, মাগো॥

II	ৰ্সা ৰ া	র্সা গো	না হে	i	ধপা ক্ল•	- সা দ			গা জা	ধা গো	-1 •		-1 •	-1 •	-1 •	I
I	ৰ্গা স্থ	-1 4 (ৰ্গা ভি		র্না জ	স্ । ড়ি	` ৰ্সা I ভ	র্স র্গা		ৰ্গা	ৰ্গা ব	•	র্রা জা	-र्मा •	र्भा न	I
I.	র্সর্রা স •	र्मा (इ	না না	ļ	-ধা •	ধৰ্ম) স ু	না হে	I s		-পা •	-মা •		-1	মা স	মা হে	I
I	গা না	-মা	-পা	I	-ধা	- ন া	-र्मा •		ৰ্না • •	-গর্রা • •	র্সা গো	1	-1	-† •	-পা •	II
II.	পা ূ এ	ধা সো	পা নি	1	পনা 좌 •	- ધાં ષ્	না ধ		र्ना बा	র্সা রে	-1 •	l	-1 •	-1	ৰ্গ ৷ বি	I
I	ৰ্ক্যা [*] মৃ •	-1 •	-1 ['] ক্	I	ৰ্গা ভ	র্রা ক	না রো	I নর তা		^র র্সা রে	-1 •	I	-1 •	-1 •	-1 •	I
Ι.	স া ভ	রা হু	গা ম	1	মা ন	পা প্রা	ধা I ণ	পা ধ	ধা ন		1	र्मा न	ধ ্ ম	না া•	ধপা ন •	I
I	শৰ্সা হে•	र्मा म	ূ না হা	l	ধা ভি	-1 ক্	পা থ্	I র্গ		ৰ্গা ম	ৰ্গা হা	1	র্বা ভি	-1 ক্	र्मा ध्	I
I	^{र्म} ना मा	-र्जा •	ৰ্সা গো	I	-1	-1	-পা II •	П								

বকুলগদ্ধে বন্থা এল দখিন-হাওয়ার স্রোতে।
পুষ্পধন্ম, ভাসাও তরী নন্দনতীর হতে ॥
পলাশকলি দিকে দিকে তোমার আখর দিল লিখে,
চক্ষলতা জাগিয়ে দিল অরণ্যে পর্বতে ॥
আকাশ-পারে পেতে আছে একলা আসনখানি—
নিত্যকালের সেই বিরহীর জাগল আশার বাণী।
পাতায় পাতায় ঘাসে ঘাসে নবীন প্রাণের পত্র আ্বাসে,
পলাশ-জবায় কনক-চাঁপায় অশোকে অশ্বথে॥

II	শা	মা	-1	1	পৰ্সা	-ণর্সা	-1	I পা	-দা	-1	1	-1	-1	-1	I
	₹	क्	न्		গ •	• •	ब्	ধে	•	•		•	•	•	
												į			
I	म	म	-1	1	ন	-1	-1 I	र्मा	-1	-1	1	-1	-1	-র্না	I
	ব	₹	শ্		গ	•	ন্	ধে	•	•		•	•	•	
I	ণা	-1	- э ғ∩	1	র্স র্রা	ণৰ্সা	-1	I en	-ধা	-1	1	-1	-1	-1	ī
•	'' ব	•		,			•		• •		i	•	'		•
	•	·	٦		*11*	G, s	,	-1	·	·		•		J	
I	ধণা	পা	-1	1	মা	মা -	-গমা I	পৰ্সা	- 6]	-र्मा	1	ণা	-দা	-1	I
	₩ •	ধি	크		হাও	য়া	• বৃ	শ্ৰে!•	•	•		তে	•	•	
т		ı		ı			, T		,		,				
I	-1			ı		না	-1 I			-1	ı		-1	-1	1
	•	•	•		ব	কু	न्	গ	•	ન્		ধে	•	•	
I	পা	-1	-1	1	ৰ্সা	না	-1 I	र्मा	-1	-1	1	-1	-1	- ख ấ	I
	শ্	•	ষ্	·	4	¥	•	হ		•	•	Q	•	•	
			•		•	-		~							

र्त्रा ৰ্যন্তৰ্গা -1 I I र्व्य -1 I क्येंत्रा -41 र्खा -1 स्र তী• ₹ ভা সা श न् न 4 Ħ ত -1 र्मा I र्वा र्मा র্পরা र्मा -1 I AI -1 -1 I -1 -1 ন 7 গ C ्र ত্তে ৰ • 7 -ना I र्मा 1 र्मा I { भा না -1 না -1 I W स -1 म नि W W 9 **= ₹** • কে কে লা I ৰ্যনা र्भा) र्जर्जा र्मा -1 I না र्मा -নর্রা i बंजी -w1 } I ণা -1 नि ভো 4 প্তা• * ৰ F न . . ধে মা -1 | -र्गा -र्या I -1 I र्खा -2/1 I A -ৰ্বা 1 र्खा र्खा -1 -1 Б ન Б 7 তা l -1 I না र्मा র্বা र्मा I र्दा ৰ্যা **5**1 1 র্বা र्मा -1 -1 I मि R 9 কা ø অ র (4 9 ৰ্ a र्मना र्मा -81 -ল I পা 1 र्मा -1 I -1 না -1 -1 -97 ব **(2** পু • **₹** 9 Ħ -1 -खर्जा I र्जा I र्मा -1 -1 | -1 र्खा -1 রা र्खा -1 I -1 ভা সা রী ¥ । ब्रा -। I र्जा मी -1 | র্সরা न्या र्मछ्डा ৰ্যন্তৰ্ভা र्मा I -11 -1 I তী• ন রু হ • ব • শ্ ন্ তে ቑ 4 W I र्जा - । - I र जा - 1 গা -1 I -1 -1 | স -1 রা 4 গ ન્ CA কা 91 রে

-1 I -গা I গ্রা 1 মা পা -81 491 মা -পমা গা -1 -1 পে ছে তে অ g ক লা 1 I -1 -1 -1 -মা I ম -1 91 পা পা -en I -1 -1 c এ <u>ኞ</u> লা আ স ন্ ١ र्मा -1 I ধর্স। I ধমা পা --1 -1 পা -1 I -1 -1 ধ नि নি থা ۰ 0 ۰ 9 ত কা৹ লে ৰ্ -र्मा I -র্সনা र्मा र्मा | না না **স**ধা -1 ধপা -1 I -1 -1 ই বি হী শে র ব্ জ . . গ লে।॰ -ধা I 497 -ना I I -1 -1 | -না ধা -1 -ধা -না ন না ₹_. গ জ লো আ M নি না না -17 -1 না I 1 -1 -1 -i } I { भा 1 F -না I ধা পা -1 ণদা -1 म ণী • বা • 91 তা৽ 97 তা র य र्मा र्मा - I **र्म्या** 1 ৰ্জ্ঞা र्ख्वा -1 ৰ্মা -र्छ्व না ন -1 I ন• বী ન્ প্রা ঘা শে ষা সে বৃ • (9 জ্র্বা র্বা -ৰ্মা र्खा र्भा -|} I ना र्मा -1 | র্রা र्मा -1 I আ প 5 ত্র শে • প × লা বা ब्र র্বা र्मा र्भा 1 - I 제 ' 新 (-) | Ι রা र्मा না -1 -1 I ĎТ 91 ब्र ক্ C=11 ক ন অ কে অ 4 र्मा I না -1 -67 -ধা -লা I পা -1 I -1 -1 र्मा না থে 7 পু ₹. প Ħ

29

च ११७

1 मा -1 -1 -1 - चर्जा र छर्जना छर्ज -1 । ती छर्जा -1 र ও ত রী হু ় • • • ভা• সা -1 I –मा र्ख्या | রা र्यर्ख्या -। I রা সা র্সর্রা ৰ্সা -1 | I ভর্মা न् न जी॰ दृह छ ব • **কু** ল্ • ન

I ना - । - । र्जा - । - । II II श • न् (व • • প্রলয়নাচন নাচলে যখন আপন ভুলে
হে নটরাজ, জটার বাঁধন পড়ল খুলে ॥
জাহ্নবী তাই মুক্ত ধারায় উন্মাদিনী দিশা হারায়,
সঙ্গীতে তার তরঙ্গদল উঠল চুলে ॥
রবির আলো সাড়া দিল আকাশ-পারে,
শুনিয়ে দিল অভয়বাণী ঘর-ছাড়ারে ।
আপন স্রোতে আপনি মাতে, সাথি হল আপন-সাথে,
সব-হারা সে সব পেল তার কুলে কুলে ॥

[व्। -1] সা -1 I II m স -1 I ণা -স| স -1 **ঝ**1 *****7 ėЦ স ન না Б. ब्र না ধ ન્ প্র ল Б গে য I -1 I Ι সা -80 জুরা -31 রা মভ্ত স ख স **-**ख ख ই রা৽ स् ન્ ভূ ন আ লে হে -1 I ^মক্ত I -1 ণা I সা সা -ঋা -1 ঝা সা -সা ঋমা ট টা রা বা • জ বৃ ধ ન્ ন -ल् I [] I ণ্দা Ι **95** 41 সা **-ख** স ড় খু লে • 9 -**ৠ** I -1 I II স সা সা স स्व ख মা মা -1 -1 ই বী তা হ म् व ত 41 রা ब्र I -পা I -- N I মা পণা 141 মা পা -1 ख -1 রা ख नी ই ન মা प्ति॰ F * র হা রা

-1 I সা রা -1 I সা -1 eal জ্ব ख I সা -ख खा ভা ব पि গী 41 হা রা রু স હ્ তে 1 **41** I I র⊢ -1 I রা खा -মা মন্ত্ৰ সা ख -1 রা Ħ न উ 5 ছ র লো লে ত હ 5 I -1 I -1 -**ज**ा I 91 রা মজ্ঞ -1 **41** সা 91 -80 खा ট ই রাণ জ রা হে ন ন • . . -en I [] I সা न्मा I ঋমা मछ्व -1 I সা -ख **30 31**1 সা স -해 চ ড়্ লো খু स বু বা৽ ধ ন 9 লে ॰ 1 II w 1 I m স -1 I -মা F -97 স म F সা -1 বি F র ব্ আ লো • সা ড়া • ল I স্থা -1 I ***** -1 I *1 ঝা 41 **41**1 -1 ঝা ঝা 41 मि Ħ নি আ • কা পা রে য়ে ল 7 ı I ari -1 211 -1 I -97 -1 I 41 ঋভৱা म ख **4**11 সা বা • ণী ब्र ব অ ভ • ঘ ছা ড়া রে I -1 I -1 -1 I সা স সা -311 ভ্ৰ সা ख মা মা আ ন্ 9 নি 9 বো মা তে • আ তে I 1 মা মা পণা 1 -91 4 -91 I মা ভ Ι -1 রা মন্ত -**આ** পি সা _• **Q** • লো • আ প ন সা থে • I সা সা **-**ea 1 রা **BG** -1 I স -ख ख জ্ঞবা -1 I **ම** আ প ન્ সা ধে • স ব্ হা রা শে

I রা -411 I -মা মা ভরে ख - I ভৱমা ^Reg -1 | 41 সা স ব্ পে লো॰ তা বৃ কু∙ লে <u>ক</u> শে I નૃ -**ख**ा রা মন্তরা -1 I -1 -1 **e**61 * স। ग्। -স। Iह • • • হে • রা৽ ট **ĕ**(ন ন রা I সা সা -ঋা ঝমা মহল -া I সা -হল ঋা সা ণ্দা -ণা II [] II টা জ বৃ বা • ধ ন্ প ড়ুলো খু ৰে •

দিনের পরে দিন যে গেল জাঁধার ঘরে,
তোমার আসনখানি দেখে মন যে কেমন করে ॥
ওগো বঁধু, ফুলের সাজি মঞ্জরীতে ভরল আজি—
ব্যথার হারে গাঁথব তারে, রাখব চরণ-'পরে ॥
পায়ের ধ্বনি গণি গণি রাতের তারা জাগে,
উত্তরীয়ের হাওয়া এসে ফুলের বনে লাগে ।
ফাগুনবেলার বুকের মাঝে পথ-চাওয়া স্থর কেঁদে বাজে—
প্রাণের কথাভাষা হারায়, চোখের জলে করে ॥

H	{ পর্স	र्भ	না	-1	ধা	পা	-ধা	I	মা	-1	-91	ধা	মপা	-1	I
	मि॰	C	न	র্	প	রে	۰		मि	0	ન્ ,	যে	গে৽	•	
I	মগা	-1	-1	1	-1	-1	(-মা	I	মা	-1	- %	পা	-1	-1	I
	ল •	•	•		•	•	•		উ শ	•	•	ध्र	•	বৃ	
														•	
I	পা	-1	-ধা		না -1	-ধপা) } I	-1	I	সা য	না ∹রা	রা	রা	-111	I
	ঘ	•	•		রে •	• •	•	•		তো য	ণ বৃ	আ	স্	ન્	
I	^গ রা	-1	-1	1	-গমা	-পাঃ	–ম্	•	I গ	1 -1	-1	না	না	-1	I
	থা	•	•			•	•	•	F	• •	•	দে	ধে	•	
						•									
I	নৰ্সা	-1	· -1	1	-না	-ধা	-পা	I	পা	-না	না	না	ধা	-না	I
	ম •	•	•		•	•	ન્		ম	ન્	যে	কে	ম	ન્	
I	ধা	ধা	-না	١	ধা	पश्री	-ধা	I	মা	পা	-1	পধা	পা	-1	I
	₹	রে	•		আঁ	ধা	বৃ		ঘ	রে	•	मि॰	নে	র্	
							•							,	
I	মপা	গা	-ম	١	পা	-1	-ধা	1	না	ન ধা	-না -	ধপা	-1	-1	I
	প •	ুরে	• .		मि	•	ન્		যে	গে	•	ল৽	•	•	

-र्जा I -নৰ্সা -রা -1 I 新 -1 -1 | -र्मा 1 र्मा -1 1 না 71 ₫ গো • Ą • 8 र्मा र्मा -র্ন্সা J -र्भा ١ -1 I -1 না না T -1 -1 -না -1 জ সা বৃ Ŧ শে নৰ্সা -ৰ্সনা I ধপা 1 I না I না -91 -1 -1 -ধা -না -1 রী৽ ম ન્ ङ • ্তে• • I নধা I -না -1 পা -ধা না ধপা -1 I -1 -1 -1 ক্তি লো আ ব্ ভ I I 1 991 পা পা -1 म m -লা -1 -**W** পা 'দা I গা পা হা থ্ ব্য র্ বে বো তা I HOM I WP1 -1 -17 -97 -17 -49 -1 -1 H91 -1 I -1 রে৽ রা ৽ ধ্ বো৽ I र्भा র্বা -1 I -1 र्मा -ଞ୍ଜୀ र्ख 1 -1 -1 র্বস্তর্গ ब र्वा -1 I Б র ٩ রে প • অ মা ব্ I र्मा -রভর্বা -র্সর্রা ৰ্সা -1 -না -1 I न -र्मा र्मा ৰ্সা -1 I ন্ ম • • ম্ ન્ বে কে ম ન્ I র্সরা ৰ্সা र्मा -1 I সর্বা না না 1 নৰ্সা -1 -1 না -1 I কাঁ • ₹• ব্লে ধা বৃ (HO ঘ রে 0 নে বৃ I পা -ধা I ধা পা -মা -1 না নধা -না ধপা -1 -1 I 9 য়ে F ન • যে গে ٥ e . • u

-新 I পা পা -41 -1 -1 -1 I -1 - 1 পা পা 1 { -1 -1 নি • 91 ব ব্লে ধব I 1 **নধা** -ধা I পা পা -17 787 পা I PAT -না না পা . গ 9 9 ব রা গ রা ত্তে ত -1 र्मा -र्ता I -1 | -1 -1 -1 } I ના -1 | र्मा I M F রী গে • উ • **5**. स I ৰ্যনা -र्मा -41 -পা -제 I প -**W**1 -1 I -17 পা 7 W র্ শ্বে হাও য়া Q শে -र्मा I ^{मं}ना I May 21 2 না -17 1 FI -**初** I পা 21 -সা ফু লে ব্ ব নে • न গে • 91 শ্বে র্ -1 I না -र्मा र्मा -1 -1 না -1 I I পা F -1 -1 নি কা ન ধ্ব 123 বে -र्ज़ा -र्ज़ा I -ना -1 -1 -1 I I źi -1 | -নৰ্সা -1 -1 -1 • ৰ্ en! र्मा -1 | र्मा र्मा -1 I र्मा -र्गना I I না না -1 -84 না মা ঝে ৰ কে ব 9 4 **ह्य ख** য়া 1 -ধা I ধপা **য**পা -ধা -ना I -1 -1 -না -1 -ধা না নধা সু • র কেঁ • CH বা 1 I ধপা -1 -1 | -1 -1 -1 I পা পা **-**편 F পা -w I ব্ ৰে • প্রা (9 97

-1 1 -1 -1 মপা -1 I · মগা -1 -1 म -91 1 नमा -1 ब्र রাণ ৰ1 হা৽ ভা জর্মা -1 I 1 र्त्रछ्डा -1 I saí র্বা -1 र्खा र्ख -र्खा I ર્ઝા আ৽ মা ৰ্ বে লে **م**ا ঙ্গ খে ৰ্ চো -1 I -मी मी र्मा ৰ্সা -र्ज़र्छ्डर्ज । -र्जर्जा -না -1 I ना र्मा -1 I ম ન્ কে ন ম ન્ যে • . ম -1 I র্নরা -1 নৰ্সা না र्मा -1 I ना না 1 র্সরা ৰ্সা -1 **H** • নে ৰ্ আঁ। ধা ব্ ঘ রে **φ**• ব্লে -1 II II ধপা -ध I -না -1 না নধা পা -1 -মা I ধা পা গে ল৽ पि ન્ যে বে • • প

তোমার আসন শৃশ্য আজি, হে বীর পূর্ণ করো—
ওই-যে দেখি বস্থন্ধরা কাঁপল থরোথরো ॥
বাজল তূর্য আকাশপথে— সূর্য আসেন অগ্নিরথে আকাশপথে,
এই প্রভাতে দখিন হাতে বিজয়খড়গ ধরো ॥
ধর্ম ভোমার সহায়, ভোমার সহায় বিশ্ববাণী ।
অমর বীর্য সহায় ভোমার, সহায় বজ্রপাণি ।
ভূর্গম পথ সগৌরবে ভোমার চরণচিহ্ন লবে সগৌরবে—
চিত্তে অভয় বর্ম, ভোমার বক্ষে ভাহাই পরো ॥

II	সা	সা	-1	র বা	-সা	-রা I	রপা	-1	-1		-1	-1	-ধা	I
	তো	মা	ৰ্	আ	•	•	₹°	٠	•		٥	0	ન્	
I	শ্মা	-1	-পা	পধা	ধ্মা	-পা	I মজ্ঞা	-1	-1	1	মা	পা	-1	ľ
	শ্	•	ન ્	ন •	আ	•	ব্দিৎ	0	•		হে	বী	ৰ্	
I	^প শা	-লা	ণা	ধা	পা	-1	I -1	-1	-1	l	পা	পা	-ধা	I
		 ব্	·· •	। " क		•	•	•	•	1	হে	'' বী	3	-
		Ì											`	
I	শ্মা	-ના	ণা	পা	মন্তর	-1]	[-1	-1	-1	1	–মা	-911	-1	I
	প্	ৰ্	9	क	ন্ধো •	•	•	•	•		•	•	•	
7	4													
I	সা	সা		রা	-সা	–द्रा 1		-1		l		-1	-1	I
	ভো	মা	ব্	অ	•	•	স •	•	•		•	•	न्	
I	ধা	-1	ণা	ধা	ণা	-1 I	er i	ণা	_1	1	erl.	~		т
-	1 1	₹ 1	েয যে) (A	बि	•				1	ধা	ণা	-1	I
	•	~	64	C4	19	•	ব	স্	ন্		Ą	র1	•	

I -ধা ধা পা र्मल्। - I দর্সা मंना -1 1 ণৰ্সা I ণা -1 বী র্ থ • ۰ হে থ • রো রো ľΦ 9 ল -ধা I -1 I -1 পা পা -1 -1 T ধমা ণা ধা 91 -97 বী র্ 0 হে রো 0 পূ বৃ 9 ক -1 II I –মা -87 -1 মন্ত -1 -1 -1 I ধমা লা -91 ণা রোণ ৰ ক পূ র্ र्मा -1 I र्म। -1 না না I না না -1 -1 II না না -1 * প (থ আ কা বৃ য তৃ ન્ বা জ ল र्मा -87 I र्मा 1 না র্সর্রা र्मा - I না -1 र्मा না -1 থে নি র আ৽ ન્ অ গ্ শে ₹ র য -1 I ৰ্মুর্বা र्मा র্মা 1 -1 I র্বা र्मा -1 --1 না I পনা না তে ই প্ত ভা থে এ * 9 আ৽ কা রা I 1 র -1 र्मा -1 I সা সা -1 र्वर्भा র্সর্র। না -1 থ . ড়্ গ বি यू তে জ থি হা 0 ন্ **7** • -1 I 24 ধা -1 I পমা 21 -67 97 1 পা I রপা 241 -1 বো বী র্ ٩ র্ পূ রো • হে ধ • -1 I মন্ত -ধা I ধহা ণা ণা -97 21 পা I -1 -1 -1 ٩ ক ব্লো• বী 3 পূ ব্ হে -84 -1 II -মা I -1 -1 -1

-1 -1 -1 -1 I -1 I श ণা ণা 1 শ্বা পা -1 II 81 -1 ₹. হা র স মা ভো न ४ ব্ য -1 I 1 i মা ণা -1 I ধা ণা ধা -1 পা ধা -1 পা ণী য়ু বি বা 4 স হা তো মা ব र्मा 1 ণর্সা -1 -1 T -1 I লা ধা I -1 -1 -1 -1 -1 বী॰ র্ য ম বৃ অ en I 1 -ধা মা -1 পা -পা I ধর্সা र्मना -1 ı ধা 91 91 9 র্ হা রু জ্ র তো মা স ব **7** • হা -1 I - I না না -1 -1 না না I ধা 21 -1 -1 প থ 19 ছ র গ ম 91 র্নরা र्वर्भा -1 I र्मा -1 1 I না र्मा ৰ্শনা र्भा -1 I না -1 মা র Б • র 9 উ তো গো র বে • স र्मा -1 I र्मा र्मा -পা I না না -1 না 1 I না -1 না উ ि বে গো র বে ₹ ল • স -1 ব র্র্যা 1 र्वर्त्रा र्मा -1 I I -1 -1 1 -1 -1 -1 -1 চি ভ তে• ब्र অ I র্রা ৰ্সা र्मा -1 I না -1 I সা 1 -1 সা রা -1 রা ₹ Ħ বৃ বৃ ক ম ভো মা বো ং তা হা I রপা 1 -श I -1 I পা পা ধমা -97 ণা 21 -1 ধা পা বী 9 . ছে ব্ বৃ বো পূ • য়ে २৮

I -1 -1 -1 | পা পা -ধা I ^ধমা -ণা ণা | **ণা মন্তর -** ন ।

• • হে বী বু পু বু ণ ক রো• •

I -1 -1 -1 | -मा -शा -1 II JI

জাগ' আলসশয়নবিলগ্ন।
জাগ' তামসগহননিমগ্ন॥
ধৌত করুক করুণারুণরৃষ্টি স্থপ্তিজড়িত যত আবিল দৃষ্টি,
জাগ' তুঃখভারনত উত্তমভগ্ন॥
জ্যোতিসম্পদ ভরি দিক চিন্ত ধনপ্রলোভননাশন বিন্ত,
জাগ', পুণ্যবসন পর' লজ্জিত নগ্ন॥

পদা -1 | -1 -1 -5m -51 I গা म -কা বি জা • গো৽ ন আ স -1 -1 -1 I **স্**না -স্না -1 | I **ર્ચા** -1 -1 -1 I গ্ ন জা৽ গো ৠ ৰ্গা ৰ্গা **a**íl र्मा না I -मा मा -भा পক্ষা -1 I না -911 নি न গ তা ম স গ হ ম ন CSH I -া -কা -51 গা গা গা **41** গা **31** সা -কা M কা -1 বি আ ন ল ল স × ষু मा I मंशा र्मा **₩**1 र्मा W मा না না -1 না -1 -1 F উ বু CVI ত রু ক পা৽ কু ৰ্মা সা I প্ৰথা -1 ৰ্মা সা | र्भा -। र्भा र्भा । ৰ্গা ৰ্গা নৰ্সা -W -र्जा I ডি বি প্ তি मृ • জ ত য ত আ৽ ट् ষ্ र्मा ŧĺ न र्मा न | न न न न I ৰ্গা ર્ચા aíı *****1 र्जा I I -1 -1 র ন 5 ক ভা

- I आú -र्जार्जा शा | शा -मा मा -शा I मशा -शा मा -। | -। -। -। -। I উ म म ज जा न ∘ आ∘ ∘ ला ∘ ∘ ∘ ∘ ∘
- পা | গা গা I ঝা I M **ঝ1** -1 পা গা -**া স**া -1 | -1 -1 -1 বি * গ্ৰ আ ল স ब्र ন ल
- र्मा 1 1 1 1 मा 1 श्रा I and -1 | গা -1 I 4 গো ঞ্জো • ত্তি v স ম 9 ¥
- I পা পা ना । ना । र्मा । I र्गार्जा । र्ज्भा । र्थार्मा । ७ वि न क् कि क् कि क् क क क क क्या क्या क वि
- I र्जा र्था र्था | र्जा प्ता I ना र्जा I र्था I ना I
- ર્ચા | ર્ચા ર્ચા र्मार्भा । भी न मी ৰ্গা 97 -1 I र्गा -1 -পা I ମ୍ମ র' ল জ জি পু স ন 9 ত ব ন গ্ ন
- मा | | | | न | गा গা] -গপা -1 পা **a**1 পা গা গা বি ख গো আ স ন
- I श्रा । जा । । । । । II II न গ্ন • • • • •

শুভ নব শৃদ্ধ তব গগন ভরি বাজে, ধ্বনিল শুভ জাগরণগীত॥ অরুণরুচি আসনে চরণ তব রাজে, মম হৃদয়কমল বিকশিত॥ গ্রহণ কর' তারে তিমিরপরপারে, বিমলতর পুণ্যকরপরশ-হর্ষিত॥

II	মা ত	-পমা •ভ্	পা ৰ	I	পৰ্সা ন •	र्म ण व •	I ર્ગા મ	-ণা ঙ্	ণদা খ•	l	দা ভ	 পা I ব
I	মা	পা	পণা	i	⁴ দা	পা I	मा	-পদপা	-মপা	l	মজ্ঞা	-1 I
	গ	গ	न •		ভ	রি	বা	.			(ख ∘	•
Į	শা	পা	পণা	1	শদা	পা I	মপা	-खा	ভর্বা	1	মন্ত্ৰা	an I
	ধ্ব	নি	ल •		ধৰ	नि	ল •	•	44 •		নি•	न
I	সা	-1	-1	l	-1	-1 I	সা	ৰ্সণা	र्मा	1	ર્ચા	र्मा I
	ন্থে	•	•		•	•	ध् व	নি॰	व		4	ভ
J	र्मना	-र्जा	ৰ্সণা	į	ণদা	দপা	I প	লা ^{-প} দা	-1	1	পা	-मृत II
	 ज्या	•	গ •		द्र •	9.		•	•	1	₹	•
II	{ मा	म	म	1	না	र्मा	I and	-1	र्मना	ı	र्मा	-1 I
	অ	ক	٩	•	क	वि	ত্থা	•	স •		নে	•
I	ৰ্সজ্ঞা	र्खा	ভ ৰ্জা	•	€ÍÍ	र्मा I	ণাঃ	-ર્મર્શ્વર્ઝઃ	-গর্সা	1	ণদা	-1 } I
	5 •	র	4	1	4	" ব	রা	• • •	• •	ı	ৰে•	•

Í	र्गा म	र्गा म	र्मा क	व्या म	र्जा I व	সা সা ক ম	था न	গা বি	গা I ক
I	গা শি	-মা •	মা ভ	-1		াা মা ধ্ব নি	পা ল	পমা ধ্ব•	পা I নি
I	ণদা ল•	-1 •	দা ধ্ব	ৰ্সণা নি•	ৰ্সৰ্থা I ল •	ণর্সা -1 রে• •	-1	मा •	-1 I •
I	দা ধ্ব	र्ज णां नि॰	र्मा न	ર્ચા હ		íगा -र्जा ज्ञा •	र्मना १०	ণদা র•	मशा İ ••
I	পণা গী •	⁻⁹ न। •	-1 •	পা ভ	-मा II •				
II	দা গ্ৰ	मा इ	म। न	না ক		ৰ্সৰ্জা ^{-জ্ঞ} ্খা ডা• •	-1 •	-1	-1 I
I	-1 •	-1	-र्मना • •	र्मा ख	-1 I	দা দা ভি মি	ला इ	না প	र्मा I ब
I	র্স র্থা পা•	-1	-र्जना • •	স্বা রে		র্সর্জ্ঞা জ্ঞা বি• ম	ख्ब ी न	র্জ্জর্ম ড •	र्खा I ब
I	ৰ্জ্জৰ্মা পু •	-र्छा १			भी मी क ब्र	I मा उ		গা হ	গা I ৰ
I	গা বি	-মা •	মা ভ	-1 •	-1 I ·	গা মা ['] ধ্ব নি			পা I নি

೨೨

7 6716

| र्जना र्जक्षा I गर्जा -1 _-| _-मा I नमा -1 म -1 I নি• ল• ল • ধব বে• I मा ৰ্সণা | ৰ্স্থা र्मना | र्मा र्गर्जा I ना -मं ণদা দপা I • ধ্ব নি॰ ***** ল ভ खा • গ • র • 9 . I পণা -14 -1 -मा II II পা গী• • ত

তপতী নাটক ও তৎভূক্ত দশটি গানের স্বর্গলিপি একত্র প্রকাশিত হর ভাস্ত্র ১০০৬ সালে। পরবর্তীকালে স্বর্গলিপি-সংবলিত এই গ্রন্থ মৃদ্রিত হর জ্যৈষ্ঠ ১০০৮ ও বৈশাধ ১০৫৬ সালে। ভাস্ত ১০০৬ সালে প্রকাশিত গ্রন্থের অঙ্গীভূত 'ব্যয়ের ফ্রার খোলা পেরে' গানটি ১০০৮ জ্যৈষ্ঠ সংস্করণে বর্জিত হয়। উক্ত সংস্করণে সংযোজিত হয় 'সর্ব থর্বতারে দহে' গানটি— ১০০৬ ভাদ্রের গ্রন্থে ছিল না। প্রথমোক্ত গানের স্বর্গলিপি অষ্টাবিংশ খণ্ড স্বর্বিতানে সংক্লিত।

স্বরবিতান সপ্তপঞ্চাশত্তম থণ্ডে স্বতম্বভাবে তপতী নাটকের দশটি গানের স্বর্গলিপি প্রকাশিত হয় চৈত্র ১৩৬৭ সালে— এই স্বর্গলিপি দিনেজনাথ ঠাকুর -কৃত; পূর্ববর্তী করেকটি মৃদ্রণে স্বর্গলিপিকারের উল্লেখ ছিল না, পূর্বপ্রকাশিত ওই স্বর্গলিগুলিই ১৩৬৭ সালের মৃদ্রণে দিনেজ্বনাথ ঠাকুরের নামে প্রকাশিত। এই খণ্ডের সম্পাদনার দারিত্ব বহন করেন অনাদিকুমার দন্তিদার।

এই প্রন্থের অন্তর্ভু ক্র গানের স্থরভেদ/ছন্দোভেদ সম্পর্কে এ যাবৎ সংগৃহীত তথ্য বর্তমান সংস্করণে (আষাঢ় ১০৮১) সন্ধিবিষ্ট হইল। পাণ্ডুলিপি দৃষ্টে জানা যার, ২,০ও৪-সংখ্যক গানের রচনাকাল যথাক্রমে ১ প্রাবণ ১০০৬, ১১ প্রাবণ ১০০৬ ও ৯ প্রাবণ ১০০৬ সাল। ০ও৪ -সংখ্যক গানের রচনা-স্থান শান্তিনিকেতন। উল্লিখিত তথ্যাদি সংগ্রহ ও সংকলন করিয়াছেন শ্রীপ্রফুলকুমার দাস।

আষাঢ ১৩৮১

মুরভেদ/ছন্দোভেদ

- ৮. তোমার আসন শৃষ্ঠ আজি তপতী (ভাস্ত ১৩৩৬): দিনেজনাথ ঠাকুর -ক্বত স্বর্রাপি—
- I ধা-1 ণা | ⁴ ধা ণা -1 I ধা ণা -1 | -1 -1 -1 | ধা ণা -1 I ধ রুম ভোমার সহা • • • • ক ভোমার
- I ণগা-| গা | ধর্ম গণা-| I ধা পা-ধা | মা পা-া I পা-ণাণা | ধাপা-া I বী হা স হাহু বে ছা পাণি •
- ১. জাগ' আলস-শরন-বিলগ্ন তপতী (ভান্ত ১৩৩৬): দিনেন্দ্রনাথ ঠাকুর -ক্লভ স্বর্বলিপি—
- ना | ना-नाना-পा | পक्का-भाना-। I ना-। नाना | नाना-। वि व ग्व • बा • ला • (थो • ख क क क

অধিকতর হানিদিষ্ট ও অধুনা বিষভারতী -অমুস্ত আকারমাত্রিক ধরলিপি -পদ্ধতির সংক্ষিপ্ত ব্যাখ্যা

- সর গম প ধ ন— সপ্তক। থাদ-সপ্তকের চিহ্ন অরের নীচে হসন্ত, যথা—
 প্, ধ্, এবং উচ্চ-সপ্তকের চিহ্ন অরের মাথার রেফ, যথা— স্, র ।
- ২ কোমল র— ঝ, কোমল গ— জ, কড়ি ম— ল, কোমল ধ— দ এবং কোমল ন— ।
- ঋ' অতিকোমল ঋষভ। অতিকোমল ঋষভের ছান দ ও ঋ স্বর্থরের
 মধ্যবর্তী। হল', দ', প' যথাক্রমে অতিকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিবাদ।
 ঋ' অণুকোমল ঋষভ। অণুকোমল ঋষভের ছান ঋ ও র স্বর্থরের
 মধ্যবর্তী। হল', দ', প' যথাক্রমে অণুকোমল গান্ধার, ধৈবত ও নিবাদ।
- ৪ একমাতা 1। অর্থমাতা :। দিকিমাতা । তুইটি অর্থমাতা, যথা সরা। চারিটি দিকিমাতা, যথা সরগমা। তুইটি দিকিমাতা, যথা সরঃ। একটি সিকিমাতা, যথা সরঃ। একটি অর্থমাতা ও তুইটি দিকিমাতা মিলিরা একমাতা, যথা সঃ গরঃ। একটি দেড়মাতা ও একটি অর্থমাতা মিলিরা তুই মাতা, যথা রাঃ গঃ।
- কোনো আসল স্বরের পূর্বে যদি কোনো নিমেবকালস্থারী আন্থ্যদিক স্বর একটু ছুঁইয়া যায় মাত্র, তাহা হইলে সেই স্বরটি ক্ষ্তু অক্ষরে আসল স্বরের বাম পার্খে লিখিত হয়, যথা— মরা গরা। আসল স্বরের পরে কখনো অক্ত স্বরের ঈষৎ রেশ লাগে; তখন ঐ স্বর ক্ষ্তু অক্ষরে দক্ষিণ পার্থে লিখিত হয়, যথা— রাম।
- বিরামের চিহ্ন ও মাজাসমূহের চিহ্ন একই; হাইফেন-বর্জিত হইলে এবং
 স্বাক্ষরের গারে সংলগ্ধ না থাকিলেই সেই মাজা, বিরামের মাজা বলিরা বৃঝিতে
 হইবে। স্থরের ক্ষণিক স্তর্জতাকে বিরাম বলে।
- গ ভাল-বিভাগের চিহ্ন এক-একটি দাঁড়ি। সমে ও সম্ হইতে ভালের এক ফেরা হইরা গেলে দাঁড়ির হলে I এরপ একটি 'দও' চিহ্ন বসে। প্রার প্রত্যেক কলির আরভ্তে ছুইটি দও বসে। যেখামে গান একেবারে শেষ হয় সেখানে চারিটি দও বসে।
- ৮ মাত্রাসমটি ভিন্ন ভিন্ন গুচ্ছে বিভক্ত, প্রত্যেক গুচ্ছের প্রথম মাত্রার শিরোদেশে ১, ২, ৩, ৪, •, ইত্যাদি সংখ্যা বিভিন্ন ভালান্ধ নির্দেশ করে। শৃক্ত-চিহ্নে (•) ফাঁক ও বে সংখ্যায় রেফ-চিহ্ন থাকে (১) ভাহাভেই সম্ বুঝিভে হইবে।
- আছারীতে প্রত্যাবর্তনের চিহ্নস্বরূপ ছইটি করিয়া দণ্ড বসে। কোনো কলিয় শেবে II এই য়ুগল দণ্ড এবং সব-শেবে II II ছই জোড়া দণ্ড দেখিলেই আছারীর প্রথমে যেখানে য়ুগল দণ্ড আছে সেইখান হইতে আবার আরম্ভ করিবে।

- ১০ আয়ারীর আরভে, II এই বুগল দণ্ডের বাহিরে গানের অংশ গান ধরিবার সময় একবার মাত্র গাহিবে; কারণ প্রত্যেক কলির শেষে এই অংশটুকু "" এয়প উদ্ধৃতি-চিছের মধ্যে পুন:পুন: লিখিত হইরা থাকে।
- >> অবসানের চিহ্ন, নিরোদেশে যুগল দাড়ি, যথা— সা। হয় এইখানে একেবারে থামিবে; নয় এইখানে থামিরা গানের অন্ত কলি ধরিবে।
- ১২ পুনরাবৃত্তির চিহ্ন { } এই শুদ্দবন্ধনী; এবং পুনরাবৃত্তিকালে কভকশুলি বর বাদ দিরা যাইবার চিহ্ন () এই বক্র বন্ধনী, যথা— { সারা (গা মা) }। মা পা।
- ১৩ পুনরাবৃত্তিকালে কোনো স্থরের পরিবর্তন হইলে, শিরোদেশে [] এই সরল
 [রা গা]
 বন্ধনীচিক্টের মধ্যে পরিবর্তিত স্বরগুলি স্থাপিত হয়; যথা— { সা রা গা }।
 কলির শেবে যুগল দণ্ডের মধ্যে ও সব-শেষে তুই প্রস্থার যুগল দণ্ডের মধ্যে
- পরিবর্জিভ স্থর গাহিতে হর।

 >৪ কোনো এক স্থর যথন আর-এক স্থরে বিশেষরূপে গড়াইরা যার, তথন
 স্থরের নীচে

 এইরূপ মীড়-চিহ্ন থাকে, যথা— গা -পা।

[] এই সরল বন্ধনী থাকিলে, যথা— I [] I, II [] II, আস্থানীতে দিরিয়া

১৫ যথন স্বরের নীচে গানের অক্ষর না থাকে, তথন সেই স্বর বা স্বরশুলির বাম পার্থে হাইফেন (-) বসে এবং গানের পংক্তিতে শৃক্ত (•) দেওরা হর, যথা— সা -া -া -া । অথবা— সা -রা -গা -মা । একই স্বর পৃথক ঝোঁকে মা • • •

উচ্চারিত হইলে সেই স্বরের বাম পার্মেও ছাইফেন বঙ্গে, বথা---সা -সা -রা -রা। সা -সা -রা -রা।

া • • • গা • • ন

১৬ নীচে গানের অক্ষর স্বরাস্ত না হইলে উপরে স্বরের বাম পার্থে হাইফেন (-) বসে, যথা--- সা -রা -গা -মা । সা -া -া -া । গা • • নু গা • • নু

উচ্চারণ। বরলিপির ভিতরে প্রার সব কথার বানান যথাসাধ্য উচ্চারণ-অন্থ্যারী বিশ্লেব করিরা দেখাইতে যত্ন করা হইরাছে। —েএ এবং —েআ, যেরপুরেদনা ও বেলা শব্দের প্রথম ব্যক্ষনাম্রিভ একারের মৃত্তণে ইন্সিভ করা হইরাছে। ভাহা ছাড়া 'অবেলার' বিশ্লেবিভ হইলে ছাপা হর—অ বে লার। 'মনে'— ম নে।

স্বরবিতান ৫৭



মূল্য ৮'০০ টাকা